ICAR - Central Institute for Research on Goats

भा॰कृ॰अनु॰प – केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान

Makhdoom Farah, Mathura, Uttar Pradesh, 281122

मखदूम, फरह, मथुरा, उत्तर प्रदेश, 281122

46वां स्थापना दिवस

केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम ने अपने 46वें स्थापना दिवस पर पहले राष्ट्रीय बकरी दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मंगी लाल जाट मुख्य अतिथि रहे। उपमहानिदेशक डॉ. राघवेंद्र भट्टा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

समारोह में देश के विभिन्न पशुपालन एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक, अधिकारी और बकरी पालक किसान शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेटली और अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण से हुई। इसके बाद संस्थान के न्यूज लेटर का विमोचन किया गया।

संस्थान निदेशक ने बताया कि पिछले एक वर्ष में 8 राष्ट्रीय स्तर और 14 प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 2200 लोगों को प्रशिक्षित किया गया। संस्थान में 43 से अधिक प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

इस दौरान 7 तकनीकी पेटेंट और 3 ट्रेडमार्क पंजीकृत कराए गए। साथ ही 8 रिसर्च पेपर प्रकाशित हुए और 26 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। संस्थान ने 6 तकनीकों का व्यावसायीकरण किया और आईएसओ-2015 प्रमाणन प्राप्त किया।

कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान द्वारा किसानों एवं बकरी पालकों को बकरी पालन के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए शोध, नवाचार और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया और कृषि समुदाय को नवीनतम तकनीकों और अनुसंधान के बारे में जागरूक किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अथिति, विशिष्ट अतिथियों एवं संस्थान निदेशक डॉ मनीष कुमार चेटली द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यो के लिए वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन पुरूस्कार भी दिये गये। इस कार्यक्रम में सम्मान समारोह माध्यम से उन्नत बकरी पालक किसानों एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बकरी शोध,

अनुसंधान एवं उन्नत बकरी पालन की तकनीकों के विकास में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की जानकारी डॉ अनुपम कृष्ण दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ गोपाल दास, प्रधान वैज्ञानिक, पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, जनसंपर्क एवं प्रोटोकॉल अधिकारी एवं दीपक कुमार शर्मा, प्रेस एवं मीडिया अनुभाग द्वारा प्रदान की गई । उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को संस्थान की गतिविधियों, अनुसंधान उपलब्धियों एवं कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और इस ऐतिहासिक आयोजन को व्यापक प्रचार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।